This Question Paper consists of **51** questions and **12** printed pages.
अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्ना: एवम् 12 मुद्रित पृष्ठा: सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में 51 प्रश्न तथा 12 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमाङ्क:

Code No. 71/SS/A
गूढसंख्या

SET/सेट- A

संस्कृतव्याकरणम्

संस्कृत व्याकरण

(346)

Day and Date of Examination
(परीक्षादिवस: दिनाङ्कश्च) ______________________

Signature of Invigilators : 1. ______________________
(निरीक्षकयो: हस्ताक्षरम्)

2. ______________________

सामान्य अनुदेशा:/सामान्य निर्देश :

1. अनुक्रमाङ्क: प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्य:।
   प्रश्नपत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रम: सम्यग् न वा।
   प्रश्नपत्र के प्रश्नों की संख्या प्रारम्भ में दी गई संख्या के समान है या नहीं, ठीक है या नहीं, यह देखने योग्य है।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
   वस्तुनिष्ठ प्रश्न (क), (ख), (ग), (घ) इन विकल्पों में उचित उत्तर चुनकर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
   उत्तर-पुस्तिका में अपना परिचय देते हुए या निर्दिष्ट स्थान को छोड़कर और कहीं भी अपना रोल नं. न लिखें।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **71/SS/A-A** नूनं लेख्या।
   अपने उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र की कोड संख्या **71/SS/A-A** लिखें।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत भाषा में ही लिखें।

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

संस्कृतव्याकरणम्

संस्कृत व्याकरण

(346)

परीक्षासमयावधि: (समय) : होरात्रयम् (3 घण्टे)] **[पूर्णाङ्का: (अधिकतम अंक) : 100**

निर्देशा:

(i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **20**, **[B]** भागे **15**, **[C]** भागे **6**, **[D]** भागे **6**, **[E]** भागे **4**, इति आहत्य **51** प्रश्ना: सन्ति।

(ii) समे प्रश्ना अनिवार्या:। तत्र वैकल्पिकभागेषु एक: एव समाधेय:।

(iii) प्रत्येकं प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काxप्रश्ना:=पूर्णाङ्का) इति अङ्कान् दीयन्ते।

(iv) **A** भागे प्र. सं. **1** त: **20** पर्यन्तं-बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्ना: **[MCQs]** येषु प्रत्येकम् एक: अङ्क: भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु।

(v) **B** भागे प्र. सं. **21** त: **35** पर्यन्तम्-वस्तुनिष्ठप्रश्ना:। प्रत्येकं प्रश्न: अङ्कद्वयात्मका: सन्ति। ते **यथानिर्देशं समाधेया:।**

(vi) **C** भागे प्र. सं. **36** त: **41** पर्यन्तम्-अतिलघूत्तरीया: प्रश्ना: प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मका: सन्ति। **ते यथानिर्देशं समाधेया:।**

(vii) **D** भागे प्र. सं. **42** त: **47** पर्यन्तम्-अनतिदीर्घोत्तरीया: प्रश्ना: प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मका: सन्ति। ते यथानिर्देशं **50** त: **80** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेया:।

(viii) **E** भागे प्र. सं. **48** त: **51** पर्यन्तम्-दिर्घोत्तरीया: प्रश्ना: प्रत्येकम् पञ्च अंकात्मका: सन्ति। ते यथानिर्देशं **80** त: **100** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेया:।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एवं लेख्यानि।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थान विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारीतसमये एव लेख्यानि।

(xiii) निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रम: सम्यग् न वा।

(xiv) अनुक्रमाङ्क: प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्य:।

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

NOTE / निर्देश :

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.

सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

(2) 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 02.15 p.m. From 02.15 p.m. to 02.30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

भाग - A 20x1=20

(A) प्रश्नसंख्या 1 त: 20 पर्यन्तं बहुविकल्पप्रश्ना: सन्ति। प्रदत्तविकल्पेषु युक्तं विकल्पं चिनुत।

प्रश्न संख्या 1-20 तक बहुविकल्पात्मक है, प्रदत्त विकल्पों में से उचित विकल्प को चुनें।

1. 'बहिर्लोम:' इत्यत्र क: समासन्त: प्रत्यय: ? 1

(क) क (ख) षच् (ग) अप् (घ) अच्

'बहिर्लोम:' इसमें कौनसा समासन्त प्रत्यय है ?

(क) क (ख) षच् (ग) अप् (घ) अच्

2. 'युधिष्ठिरार्जुनौ' अत्र हरिशब्दस्य पूर्वनिपात: केन सूत्रेण वार्तिकेन वा ? 1

(क) भ्रातुर्ज्यायस: (ख) अजाद्यदन्तम् (ग) लघ्वक्षरं पूर्वम् (घ) अभ्यर्हितं च

'युधिष्ठिरार्जुनौ' इस उदाहरण में हरि शब्द का पूर्वनिपात किस सूत्र/वार्तिक से होता है ?

(क) भ्रातुर्ज्यायस: (ख) अजाद्यदन्तम् (ग) लघ्वक्षरं पूर्वम् (घ) अभ्यर्हितं च

3. 'अतिराजा' इत्यत्र समासान्तस्य टच: निषेध: केन सूत्रेण ? 1

(क) कुगतिप्रादय: (ख) न पूजनात् (ग) अव्ययीभावश्च (घ) किम: क्षेपे

'अतिराजा' इस उदाहरण में समास टच् का निषेध किस सूत्र से होता है ?

(क) कुगतिप्रादय: (ख) न पूजनात् (ग) अव्ययीभावश्च (घ) किम: क्षेपे

4. 'अतिमहिमा' – क: स्त्रीप्रत्यय: ? 1

(क) टाप् (ख) ङीप् (ग) चाप् (घ) डाप्

'अतिमहिमा' – इसमें कौनसा स्त्रीप्रत्यय हुआ है ?

(क) टाप् (ख) ङीप् (ग) चाप् (घ) डाप्

5. 'वर्णादनुदात्तात्तोपधात्तो न:' – इत्यनेन सूत्रेण क: प्रत्ययो भवति ?

(क) ङीप् (ख) ङीष् (ग) डाप् (घ) टाप् 1

'वर्णादनुदात्तात्तोपधात्तो न:' – यह सूत्र किस प्रत्यय का विधान करता है ?

(क) ङीप् (ख) ङीष् (ग) डाप् (घ) टाप्

6. 'रजकी' – अत्र ङीष् प्रत्यय: केन कारणेन भवति ? 1

(क) गौरादिगणपठितत्वात् (ख) बह्वादिगणपठितत्वात्

(ग) षित्त्वात् (घ) पुंयोगात्

'रजकी' – यहाँ ङीष् प्रत्यय किस कारण से होता है ?

(क) गौरादिगण में पठित होने के कारण (ख) बह्वादिगण में पठित होने के कारण

(ग) षित् होने के कारण (घ) पुंयोग होने के कारण

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

7. सुदुर्भ्यां परस्य हृदयशब्दस्य हृद्भावे निपातिते किं पदं निष्पद्यते अमित्रार्थे ? 1

(क) सहहृद् (ख) सुहृद् (ग) सहृदय: (घ) दुर्हृद्

सु और दुर् से पर में विद्यमान हृदयशब्द को हृद् भाव निपातित करने पर कौनसा पद निष्पन्न होता है अमित्र अर्थ में ?

(क) सहहृद् (ख) सुहृद् (ग) सहृदय: (घ) दुर्हृद्

8. द्वन्द्वे अल्पीयस्या: संख्याया: कुत्र प्रयोगो भवति ? 1

(क) परम् (ख) पूर्वम् (ग) उभयत्र (घ) न कुत्रापि

द्वन्द्वसमास में अल्पीयसी संख्या का कहाँ प्रयोग होता है ?

(क) पर में (ख) पूर्व में (ग) दोनों जगह (घ) कहीं नहीं

9. भूयात् इत्यत्र आर्धधातुकनिबन्धनस्य गुणस्य निषेधस्य कारणं किम् ? 1

(क) यासुट: कित्त्वम् (ख) यासुट: टित्त्वम्

(ग) यासुट: ङित्त्वम् (घ) तिप: पित्त्वम्

भूयात् इस रूप में आर्धधातुकनिबन्धन गुण के निषेध का क्या कारण है ?

(क) यासुट् का कित्त्व (ख) यासुट् का टित्त्व

(ग) यासुट् का ङित्त्व (घ) तिप् का पित्त्व

10. चिक्षाय/चिक्षय इति रूपयो: क: लकार:, कश्च तिङ् प्रत्यय: ? 1

(क) लिङ् मिप् (ख) लिट् मिप् (ग) लोट् मिप् (घ) लट् मिप्

चिक्षाय/चिक्षय इन रूपों में कौनसा लकार एवं तिङ् प्रत्यय है ?

(क) लिङ् मिप् (ख) लिट् मिप् (ग) लोट् मिप् (घ) लट् मिप्

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

11. 'जुगोपिथ, जुगोप्थ' – अत्र विकल्पेन इडागम: केन सूत्रेण विधीयते ? 1

(क) स्वरतिसूतिसूयतिधूञूदितो वा (ख) वा लिटि

(ग) अयादय आर्धधातुके वा (घ) वा सञ्ज्ञायाम्

'जुगोपिथ, जुगोप्थ' – यहाँ विकल्प से इडागम किस सूत्र से होता है ?

(क) स्वरतिसूतिसूयतिधूञूदितो वा (ख) वा लिटि

(ग) अयादय आर्धधातुके वा (घ) वा सञ्ज्ञायाम्

12. 'आतिषु:' – इत्यत्र झिस्थाने किं भवति ? 1

(क) उस् (ख) सुट् (ग) जुस् (घ) सिच्

'आतिषु:' – यहाँ झि के स्थान पर क्या होता है ?

(क) उस् (ख) सुट् (ग) जुस् (घ) सिच्

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

13. टितो लस्य थास: क: आदेशो भवति ? 1

(क) णल् (ख) ताम् (ग) अ (घ) से

टित् लकार के थास् के स्थान पर क्या आदेश होता है ?

(क) णल् (ख) ताम् (ग) अ (घ) से

14. 'अद्धि' इत्यत्र 'धि' आदेश: कस्य स्थाने ? 1

(क) 'तस्' स्थाने (ख) 'झि' स्थाने (ग) 'थ' स्थाने (घ) 'हि' स्थाने

'अद्धि' यहाँ 'धि' आदेश किसके स्थान पर होता है ?

(क) 'तस्' के स्थान पर (ख) 'झि' के स्थान पर (ग) 'थ' के स्थान पर (घ) 'हि' के स्थान पर

15. 'स्तुसुधूञ्भ्य: परस्मैपदेषु' – इत्यनेन सूत्रेण किं भवति ? 1

(क) इडागम: (ख) प्रत्ययोकारस्य लोप:

(ग) गुण: (घ) यणादेश:

'स्तुसुधूञ्भ्य: परस्मैपदेषु' – यह सूत्र क्या कार्य करता है ?

(क) इट् का आगम (ख) प्रत्यय के उकार का लोप

(ग) गुण (घ) यणादेश

16. चुरादिगणीयधातुभ्य: स्वार्थे क: प्रत्यय: ? 1

(क) उ (ख) णिच् (ग) श्ना (घ) सन्

चुरादिगणीय धातुओं से स्वार्थ में कौनसा प्रत्यय होता है ?

(क) उ (ख) णिच् (ग) श्ना (घ) सन्

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

17. 'सत्कारपूर्वको व्यापार:' किं भवति ? 1

(क) आमन्त्रणम् (ख) निमन्त्रणम् (ग) अधीष्ट: (घ) प्रार्थनम्

'सत्कारपूर्वको व्यापार' क्या कहलाता है ?

(क) आमन्त्रण (ख) निमन्त्रण (ग) अधीष्ट (घ) प्रार्थना

18. ञिति णिति प्रत्यये अजन्तस्याङ्गस्य वृद्धि: केन सूत्रेण भवति ? 1

(क) सार्वधातुकार्धधातुकयो: (ख) अत उपधाया:

(ग) क्ङिति च (घ) अचो ञ्णिति

ञित् णित् प्रत्यय के परे रहते अजन्त अङ्ग को वृद्धि किस सूत्र से होती है ?

(क) सार्वधातुकार्धधातुकयो: (ख) अत उपधाया:

(ग) क्ङिति च (घ) अचो ञ्णिति

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

19. 'शैव:' अत्र क: प्रत्यय: ? 1

(क) इञ् (ख) अण् (ग) अ (घ) अञ्

'शैव:' यहाँ कौनसा प्रत्यय हुआ है ?

(क) इञ् (ख) अण् (ग) अ (घ) अञ्

20. 'नाव्यम्' इत्यत्र यत् प्रत्यय: कस्मिन्नर्थे ? 1

(क) तार्यम् (ख) वध्यार्थे (ग) तुल्यार्थे (घ) प्राप्यार्थे

'नाव्यम्' यहाँ यत् प्रत्यय किस अर्थ में है ?

(क) तार्य अर्थ में (ख) वध्य अर्थ में (ग) तुल्य अर्थ में (घ) प्राप्य अर्थ में

भाग - B

(B) अधोलिखिता: प्रश्ना: यथानिर्देशं समाधेया:। प्रत्येकं प्रश्न: द्वयो: अङ्कयो: भवति, तदर्थं 30 अङ्क: आवंटिता: भवन्ति।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है, जिसके लिए 30 अंक निर्धारित हैं। 2x15=30

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

21. सूत्रोदाहरणयो: युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत। 2

(क) द्वित्रिभ्यां ष मूर्ध्न: (1) जलजाक्षी

(ख) संख्यासुपूर्वस्य (2) द्विपात्

(3) द्विमूर्ध:

सूत्र और उदाहरण का युक्तियुक्त मिलान कीजिए।

(क) द्वित्रिभ्यां ष मूर्ध्न: (1) जलजाक्षी

(ख) संख्यासुपूर्वस्य (2) द्विपात्

(3) द्विमूर्ध:

22. यथायोग्यं मेलयत। 2

(क) समुच्चय: (1) संज्ञापरिभाषम्

(ख) अन्वाचय: (2) ईश्वरं गुरुं च भजस्व

(3) भिक्षामट गां चानय

यथायोग्य मिलान कीजिए।

(क) समुच्चय (1) संज्ञापरिभाषम्

(ख) अन्वाचय (2) ईश्वरं गुरुं च भजस्व

(3) भिक्षामट गां चानय

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

23. प्रत्ययोदाहरणयो: युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत। **2**

(क)	चटका	(1)	चाप्
(ख)	दामा	(2)	टाप्
		(3)	डाप्

प्रत्यय और उदाहरण का युक्तियुक्त मिलान कीजिए।

(क)	चटका	(1)	चाप्
(ख)	दामा	(2)	टाप्
		(3)	डाप्

24. उचितकारणेन सह उदाहरणस्य मेलनं कुरुत। **2**

(क)	वर्णवाचकात् तोपधात् अदन्तात् ङीप्	(1)	कुमारी
(ख)	उगिदन्तत्वात् ङीप्	(2)	एनी
		(3)	भवन्ती

उचित कारण के साथ उदाहरण का मिलान कीजिए।

(क)	वर्णवाचक तोपध अदन्त से ङीप्	(1)	कुमारी
(ख)	उगिदन्त होने के कारण ङीप्	(2)	एनी
		(3)	भवन्ती

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

25. सूत्रोदाहरणयो: युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत। **2**

(क)	वोतो गुणवचनात्	(1)	अतिकेशी
(ख)	स्वाङ्गाचोपसर्जनादसंयोगोपधात्	(2)	तन्वी
		(3)	वस्त्रक्रीती

सूत्र और उदाहरण का युक्तियुक्त मिलान कीजिए।

(क)	वोतो गुणवचनात्	(1)	अतिकेशी
(ख)	स्वाङ्गाचोपसर्जनादसंयोगोपधात्	(2)	तन्वी
		(3)	वस्त्रक्रीती

26. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत। **2**

(क) भूतसामान्ये धातो: ___________ लकार: भवति।

(ख) सूत्रं पूरयत-गाति-स्था-घु-पा-भूभ्य: सिच: ___________।

रिक्तस्थान की पूर्ति योग्य पद से कीजिए।

(क) सामान्य भूतकाल में धातु से ___________ लकार होता है।

(ख) सूत्र की पूर्ति कीजिए-गाति-स्था-घु-पा-भूभ्य: सिच: ___________।

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

27. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत। 2

(क) षड्-विधेषु सूत्रेषु मध्ये 'ऋतो भारद्वाजस्य' इति __________ सूत्रम्।

(ख) गम्-लृट-धातोः लिटि प्रथमपुरुषबहुवचने __________रूपम्।

रिक्तस्थान की पूर्त्ति योग्य पद से कीजिए।

(क) षड्-विध सूत्रों में से 'ऋतो भारद्वाजस्य' यह __________ सूत्र है।

(ख) गम्-लृट-धातु का लिट् लकार प्रथम पुरुष एकवचन में __________रूप बनता है।

28. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत। 2

(क) 'जग्लौ' अत्र णलः स्थाने __________ आदेशः 'आत औ णलः' इति सूत्रेण भ्हवति।

(ख) 'उरत्' इत्यनेन अभ्यास-ऋवर्णस्य __________ विधीयते।

रिक्तस्थान की पूर्त्ति योग्य पद से कीजिए।

(क) 'जग्लौ' यहाँ णल् के स्थान पर __________ आदेश होता है, 'आत औ णलः' सूत्र से।

(ख) 'उरत्' इस सूत्र से अभ्यास के ऋवर्ण के स्थान पर __________ होता है।

29. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत। 2

(क) __________ गणपठितधातुभ्यः शपः श्लुः भवति।

(ख) 'हु' धातोः परस्मैपदे लटि प्रथमपुरुषैकवचने रूपम् __________ इति।

रिक्तस्थान की पूर्त्ति योग्य पद से कीजिए।

(क) __________ गणपठित धातुओं से परे शप् के स्थान पर श्लु होता है।

(ख) 'हु' धातु का परस्मैपद में लट् लकार प्रथमपुरुष एकवचन में __________ रूप बनता है।

EK KADAM UNNATI KI AUR

30. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत। 2

(क) 'कुरुतः' इत्यत्र ककारोत्तरवर्त्तिनः अकारस्य स्थाने उत्त्वं __________ सूत्रेण भवति।

(ख) क्री-धातोः परस्मैपदे लटिप्रथमपुरुषे रूपाणि-क्रीणाति __________ क्रीणन्ति।

रिक्तस्थान की पूर्त्ति योग्य पद से कीजिए।

(क) 'कुरुतः' यहाँ ककारोत्तरवर्ती अकार के स्थान पर उत्त्व __________ सूत्र से होता है।

(ख) क्री-धातु के परस्मैपद लट्-लकार प्रथमपुरुष में रूप होते हैं – क्रीणाति __________ क्रीणन्ति।

31. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत। 2

(क) रेवत्यादिगणपठितेभ्यः अपत्यार्थे ठक् स्यात्।

(ख) 'क्षत्रियः' इत्यत्र इञ् प्रत्ययः।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए।

(क) रेवत्यादिगणपठित प्रातिपदिकों से अपत्य अर्थ में ठक् प्रत्यय होता है।

(ख) 'क्षत्रियः' इस उदाहरण में इञ् प्रत्यय है।

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

32. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत। 2

(क) स्त्रीप्रत्यान्तेभ्य: अपत्ये अर्थे छ-प्रत्यय: भवति।

(ख) कुरो: अपत्यम् कौरव्य:।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए।

(क) स्त्रीप्रत्ययान्त से अपत्य अर्थ में छ-प्रत्यय होता है।

(ख) कुरो: अपत्यम् कौरव्य:।

33. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत। 2

(क) संसर्गेऽस्तिविवक्षायां कृत्-प्रत्यया: भवन्ति।

(ख) तान्तसान्तौ घिसंज्ञौ स्त:, मत्वर्थे प्रत्यये परे।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए।

(क) संसर्ग और अस्ति की विवक्षा में कृत् प्रत्यय होते हैं।

(ख) तान्त और सान्त की घिसंज्ञा होती है, मत्वर्थ प्रत्यय के परे रहते।

34. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत। 2

(क) वसिष्ठेन दृष्टं साम वासिष्ठं साम।

(ख) मातृभोग-शब्दात् खञ्-प्रत्यये 'मातृभोगीण:' इति पदं निष्पद्यते।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए।

(क) वसिष्ठेन दृष्टं साम वासिष्ठं साम।

(ख) मातृभोग-शब्द से खञ् प्रत्यय करने पर 'मातृभोगीण:' पद निष्पन्न होता है।

35. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत। 2

(क) तरप् प्रत्यये परत: प्रशस्यशब्दस्य ज्य आदेश: भवति।

(ख) 'पञ्च अवयवा: अस्य सन्ति' इति लौकिकविग्रहे तयप् प्रत्यये पञ्चतयम् इति रूपं सिध्यति।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए।

(क) तरप् प्रत्यय के परे रहते प्रशस्य शब्द को ज्य आदेश होता है।

(ख) 'पञ्च अवयवा: अस्य सन्ति' इस लौकिकविग्रह में तयप्-प्रत्यय होकर पञ्चतयम् रूप सिद्ध होता है।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

भाग - C 2x6=12

(C) षण्णां प्रश्नानाम् यथानिर्देशं अतिलघूनि उत्तराणि लिखत।
निर्देशानुसार छह प्रश्नों के अतिलघु उत्तर दीजिए।

36. 'उत्काकुत्' इत्यस्य पदस्य लौकिकविग्रहम् अलौकिकविग्रहं च प्रदर्शयत ? 2
'उत्काकुत्' इस पद का लौकिकविग्रह और अलौकिकविग्रह प्रदर्शित कीजिए।

37. 'राजदन्तादिषु परम्' इति सूत्रस्यार्थ: क: ? उदाहरणमपि लिखत। 2
'राजदन्तादिषु परम्' इस सूत्र का अर्थ क्या है ? उदाहरण भी लिखिए।

38. 'दिव्यति' अत्र उपधाया इक दीर्घ-विद्यायकं सूत्रं किम् ? कश्च तस्य अर्थ: । 2
'दिव्यति' यहाँ उपधा के इक् को दीर्घ करने वाला सूत्र कौनसा है ? उसका अर्थ भी लिखिए।

39. 'तुद्-धातो:लुङि परस्मैपदे रूपाणि लिखत । 2
तुद्-धातु के लुङ् लकार परस्मैपद में रूप लिखिए ।

40. 'वैयाकरण:' अत्र क: प्रत्यय: ? प्रत्ययविधायकं सूत्रं लिखत। 2
'वैयाकरण:' यहाँ कौनसा प्रत्यय है ? प्रत्ययविधायक सूत्र लिखिए।

41. 'विद्याचण:' अत्र ससूत्रं प्रत्ययं लिखत। लौकिकविग्रहं च प्रदर्शयत। 2
'विद्याचण:' यहाँ सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रत्यय बताइए। लौकिकविग्रह भी प्रदर्शित कीजिए।

भाग - D 3x6=18

(D) षट्-प्रश्नान् अनतिदीर्घोत्तरै: समाधत्त।
छह प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए।

42. 'देवताद्वन्द्वे च' इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात। 3
'देवताद्वन्द्वे च' इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अथवा

'येषां च विरोध: शाश्वतिक:' इति सूत्रं व्याख्यात।
'येषां च विरोध: शाश्वतिक:' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

43. 'ऋक्पूरब्धूः पथामानक्षे' इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात। 3

'ऋक्पूरब्धूः पथामानक्षे' इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अथवा

स्वपद-अस्वपदविग्रहयोः भेदं सोदाहरणं लिखत।

स्वपदविग्रह और अस्वपदविग्रह का भेद सोदाहरण लिखिए।

44. 'हारिका' अत्र कः स्त्रीप्रत्ययः ? उदाहरणे इत्त्वविधायकं सूत्रं किम् ? 3

'हारिका' यहाँ कौनसा स्त्रीप्रत्यय हुआ है ? उदाहरण में इकार किस सूत्र से हुआ है ?

45. 'क्क्ङिति च' इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात। 3

'क्क्ङिति च' इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अथवा

'कृष्णम् अनंस्यत् चेत् सुखम् अयास्यत्' अत्र रेखांकितपदयोः कः लकारः ? लकारविधायकं सूत्रं विलिख्य उदाहरणे सूत्रार्थसमन्वयं प्रदर्शयत।

'कृष्णम् अनंस्यत् चेत् सुखम् अयास्यत्' यहाँ रेखांकित पद में कौनसा लकार है ? लकारविधायक सूत्र लिखकर उदाहरण में सूत्रार्थ समन्वय प्रदर्शित कीजिए।

46. 'श्नाभ्यस्तयोरातः इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात। 3

'श्नाभ्यस्तयोरातः' इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

47. 'राष्ट्रावारपाराद्घखौ' इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात। 3

'राष्ट्रावारपाराद्घखौ' इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

भाग - E **5x4=20**

(E) चत्वारः प्रश्नाः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः।

निम्नलिखित चार प्रश्नों का दीर्घोत्तरों से समाधान कीजिए।

48. बहुव्रीहिसमासस्य परिचयो देयः। 5

बहुव्रीहिसमास का परिचय दीजिए।

अथवा

व्यधिकरणतत्पुरुषस्य कति भेदाः ? प्रतिभेदम् उदाहरणमेकं प्रदर्शयत।

व्यधिकरण-तत्पुरुष के कितने भेद हैं ? प्रत्येक भेद का एक उदाहरण लिखिए।

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

49. 'ई हल्यघो:' इति 'णिचश्च' इति वा सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात। **5**
'ई हल्यघो:' अथवा 'णिचश्च' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

50. 'सुनु' इति 'तुत्सीष्ट' इति वा ससूत्रं साधयत। **5**
'सुनु' अथवा 'तुत्सीष्ट' की ससूत्र रूपसिद्धि कीजिए।

51. 'मादुपधायाश्च मतोर्वोऽयवादिभ्य:' इति सूत्रम् उदाहरणोल्लेखपुरस्सरं व्याख्यात। **5**
'मादुपधायाश्च मतोर्वोऽयवादिभ्य:' इस सूत्र की उदाहरणोल्लेखपुरस्सर व्याख्या कीजिए।

- o O o -

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279